मत जा सांवरिया मथुरा छोड़ अकेले भजन लिरिक्स

मत जा सांवरिया मथुरा,
छोड़ अकेले।

तर्ज – तेरी बेवफाई का शिकवा।

दोहा – मेरे श्याम निकुन्ज पिया,
जुदाई का जहर क्यों हमको दिया,
रुक जा या तो वरना,
खींच लू पकड़ के तोरी बैया।

मत जा साँवरिया मथुरा,
छोड़ अकेले,
तेरी ये राधा तुझको रो रो पुकारे,
तुम ही मेरी शाम हो,
तुम ही सवेरे,
तेरी ये राधा तुझको रो रो पुकारे।bd।

ये वंशीवट और ये कुन्ज गलिया,
सुना है वृन्दावन,
ये तुझ बिन कन्हिया,
सेवा कुन्ज निधिवन में,
सेवा कुन्ज, निधिवन में,
रास रचा रे,
तेरे कदम्ब भी तुझ बिन,
लगते ना प्यारे,
मत जा साँवरिया मथुरा,
छोड़ अकेले,
तेरी ये राधा तुझको रो रो पुकारे।bd।

ना हम है जियेगें,
ना तुम जी सकोंगे,
ये मधुवन, ये उपवन,
ना फिर खिल सकेंगे,
'हनी' भी निहारे तुझको,
यमुना किनारे
जाने वाले अब तो,
नजरे मिला रे,
मत जा साँवरिया मथुरा,
छोड़ अकेले

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तेरी ये राधा तुझको रो रो पुकारे।bd।

मत जा साँवरिया मथुरा,
छोड़ अकेले,
तेरी ये राधा तुझको रो रो पुकारे,
तुम ही मेरी शाम हो,
तुम ही सवेरे,
तेरी ये राधा तुझको रो रो पुकारे।bd।

– Singer and Writer –
Honey Tomar

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com